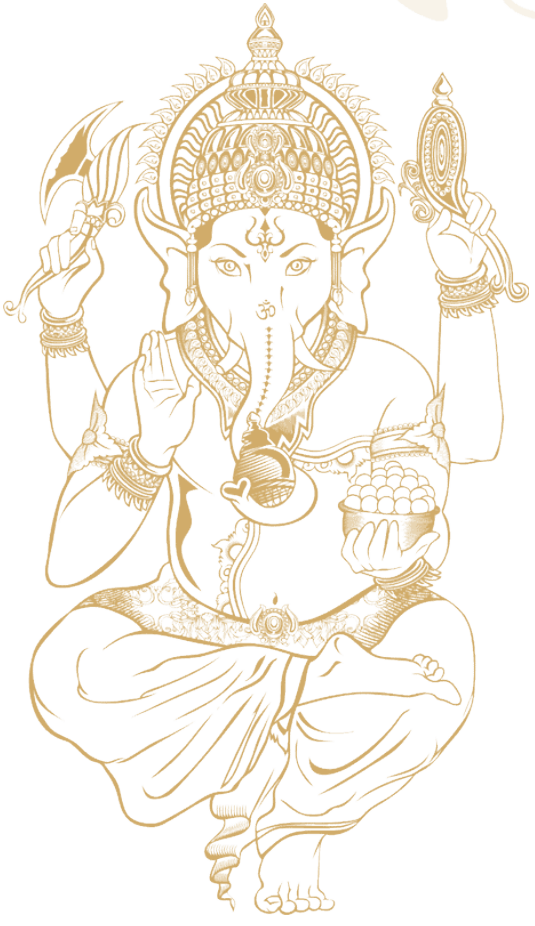

Priyanshi Jha

29 Feb 2000

09:45 PM

Bokaro

Model: web-freekundliweb

Order No: 121844803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**29/02/2000**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:45:00 घंटे**
इष्ट	38:59:57 घटी
स्थान	**Bokaro**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	23:51:00 उत्तर
रेखांश	86:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:14:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:59:08 घंटे
वेलान्तर	-00:12:32 घंटे
साम्पातिक काल	08:34:17 घंटे
सूर्योदय	06:09:01 घंटे
सूर्यास्त	17:48:03 घंटे
दिनमान	11:39:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:31:41 कुम्भ
लग्न के अंश	11:03:33 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्धि
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भू-भूमिका
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:03:33	320:54:28	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			कुंभ	16:31:41	01:00:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	13:46:29	11:49:51	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			मीन	19:29:57	00:45:06	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	कुंभ	18:28:19	01:00:53	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मेष	08:45:18	00:11:22	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मक	20:19:12	01:14:08	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	मित्र राशि
शनि			मेष	18:31:29	00:04:54	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु			कर्क	09:20:56	00:01:37	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	09:20:56	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	24:16:38	00:03:18	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप			मक	11:30:02	00:01:57	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	18:59:02	00:00:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कर्क	12:19:58	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:20

लग्न-चलित

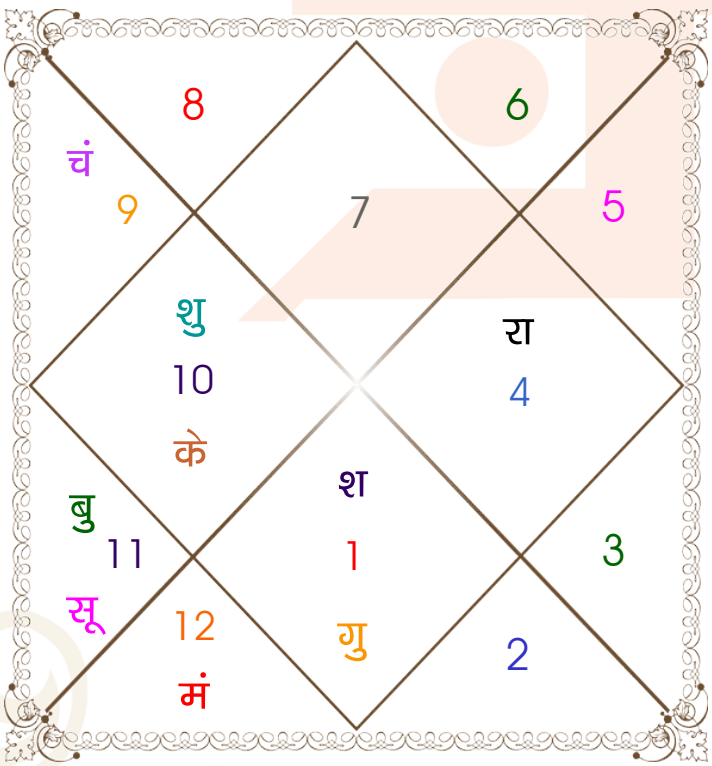

चन्द्र कुंडली

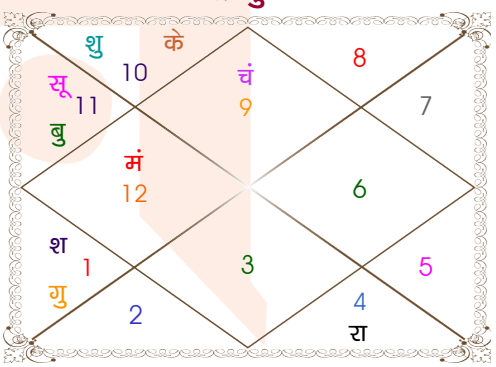

नवमांश कुंडली

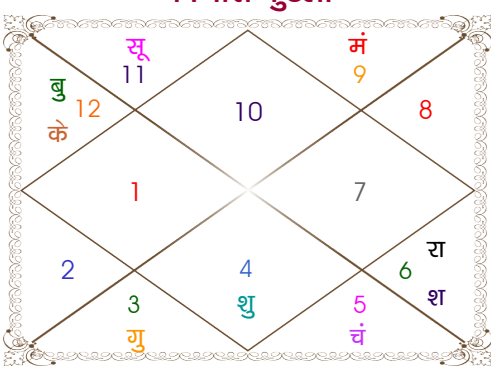

Santosh Jyotish Vani
Suraj Kumar Roy (M.A JYOTISH, JYOTISH SHASHTACHARYA, NUMEROLOGY MASTER, JYOTISH PRAVEEN, HASTAREKHA PRAVEEN M.A ECONOMICS,M.COM FINANCE, B.ED)
A- 86 flat no 06 street 10 chander vihar ip extension
9310478329
mail2suraj7836@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 4 मास 1 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
29/02/2000		03/07/2019		02/07/2025		03/07/2035		02/07/2042	
03/07/2019		02/07/2025		03/07/2035		02/07/2042		02/07/2060	
शुक्र	01/11/2002	सूर्य	20/10/2019	चंद्र	02/05/2026	मंगल	29/11/2035	राहु	14/03/2045
सूर्य	01/11/2003	चंद्र	20/04/2020	मंगल	01/12/2026	राहु	16/12/2036	गुरु	08/08/2047
चंद्र	02/07/2005	मंगल	26/08/2020	राहु	01/06/2028	गुरु	22/11/2037	शनि	14/06/2050
मंगल	01/09/2006	राहु	20/07/2021	गुरु	01/10/2029	शनि	01/01/2039	बुध	31/12/2052
राहु	01/09/2009	गुरु	08/05/2022	शनि	03/05/2031	बुध	29/12/2039	केतु	19/01/2054
गुरु	02/05/2012	शनि	20/04/2023	बुध	01/10/2032	केतु	26/05/2040	शुक्र	19/01/2057
शनि	03/07/2015	बुध	25/02/2024	केतु	02/05/2033	शुक्र	26/07/2041	सूर्य	13/12/2057
बुध	02/05/2018	केतु	02/07/2024	शुक्र	01/01/2035	सूर्य	01/12/2041	चंद्र	14/06/2059
केतु	03/07/2019	शुक्र	02/07/2025	सूर्य	03/07/2035	चंद्र	02/07/2042	मंगल	02/07/2060

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/07/2060		02/07/2076		03/07/2095		03/07/2112		04/07/2119	
02/07/2076		03/07/2095		03/07/2112		04/07/2119		00/00/0000	
गुरु	20/08/2062	शनि	06/07/2079	बुध	28/11/2097	केतु	29/11/2112	शुक्र	01/03/2120
शनि	02/03/2065	बुध	15/03/2082	केतु	25/11/2098	शुक्र	29/01/2114		00/00/0000
बुध	08/06/2067	केतु	24/04/2083	शुक्र	26/09/2101	सूर्य	06/06/2114		00/00/0000
केतु	14/05/2068	शुक्र	23/06/2086	सूर्य	03/08/2102	चंद्र	05/01/2115		00/00/0000
शुक्र	13/01/2071	सूर्य	05/06/2087	चंद्र	02/01/2104	मंगल	03/06/2115		00/00/0000
सूर्य	01/11/2071	चंद्र	03/01/2089	मंगल	29/12/2104	राहु	21/06/2116		00/00/0000
चंद्र	02/03/2073	मंगल	12/02/2090	राहु	19/07/2107	गुरु	28/05/2117		00/00/0000
मंगल	06/02/2074	राहु	19/12/2092	गुरु	24/10/2109	शनि	06/07/2118		00/00/0000
राहु	02/07/2076	गुरु	03/07/2095	शनि	03/07/2112	बुध	04/07/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 4 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।